3.	IDPL	54661
4.	Scooters India Ltd.	31386
5.	Bharat Gold Mines Ltd.	9409
6.	Tannery and Footwear Co. Ltd.	14053
7.	Triveni Structurals Ltd.	3546
8.	Cycle Corpn. of India Ltd.	15562
9.	Richardson & Cruddas Ltd.	7063
10.	Mining & Allied Machinery Corpn. Ltd.	13518
11.	Heavy Engineering Corpn. Ltd.	48216
12.	Vignayan Industries Ltd.	840
13.	National Bicycle Corpn. of India Ltd.	7950
14.	Orissa Drugs & Chemicals Ltd.	229
15.	Fertilizer Corpn. of India Ltd.	161078
16.	Industan Fertilizer Corpn. Ltd.	151167
17.	Biecco Lawrie & Co. Ltd.	4773
18.	British India Corpn. Ltd.	13333
19.	The Elgin Mills Ltd.	22087
20.	Bharat Process & Mechanical Engg. Co. Ltd.	5049
21.	Projects & Development India Ltd.	8368
22.	Mandya National Paper Co. Ltd.	6873
23.	Tyre Corpn. of India Ltd.	8691
24.	Weighbird India Ltd.	969
25.	Bharat Refractories Ltd.	6555
26.	Bharat Brakes & Valves Ltd.	1799
27.	Cawnpore Textile Ltd.	2813
28.	Braithwaite & Co. Ltd.	4678
29.	Smith Stanistreet & Pharmaceuticals Ltd.	2432
30.	U. P. Drugs & Pharmaceuticals Ltd.	469
31.	National Instruments Ltd.	4679
32.	Bharat Opthalmic Glass Ltd.	7765
33.	Bengal Chemicals Pharmaceuticals Ltd.	7478
34.	NTC (Andhra Pradesh, Karnataka, Kerala & Mahe) Ltd.	16938
35.	NTC (Gujarat) Ltd.	23336
36.	NTC (Maharashtra North) Ltd.	26035
37.	India Firebricks & Insulation Co. Ltd.	1101
38.	Bengal Immunity Ltd.	4408
39.	NTC (M. P.) Ltd.	23188
40.	Mica Trading Corpn. of India Ltd.	675
41.	NTC (W. B. Assam, Bihar & Orissa) Ltd.	37055
42.	NTC (U. P.) Ltd.	23205
43.	NTC (South Maharashtra) Ltd.	22680
44.	National Jute Manufacturers Corpn. Ltd.	47867

औद्योगिक विकास के लिये विकास केन्द्र

609. श्री राम जेठमलानी :
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार द्वारा देश के पिछड़े क्षेत्रों में औद्योगिक विकास हेतु विकास केन्द्र स्थापित करने की घोषणा जून 1988 में की गयी थी ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि मार्च, 1993 तक मात्र 37 विकास केन्द्रों की स्थापना के लिये ही राशि आवंटित की जा सकी ;

(ग) यदि नहीं, तो इस सम्बन्ध में तथ्य क्या हैं ;

(घ) क्या यह भी सच है कि पूर्व घोषणा के अनुसार 100 विकास केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव था ; और

(ङ) यदि हां, तो क्या अब तक इस प्रयोजनार्थ उन 100 स्थानों का चयन किया जा चुका है और यदि हां, तो संबंधित राज्यों तथा विकास केन्द्रों की संख्या की बाबत ब्यौरा क्या है ?

उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) में राज्य मंत्री और सहयोग मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) जी, हां ।

(ख) मार्च, 1993 तक 37 अनुमोदित विकास केन्द्रों के संबंध में राज्यों को केंद्रीय सहायता दे दी गई है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

(घ) और (ङ) इस योजना के तहत 100 विकास केंद्र स्थापित करने का मूल आशय था । इसके बाद पहले चरण के दौरान 80 विकास केंद्र विकसित करने का निर्णय लिया गया है । यह योजना 8वीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान कार्यान्वित की जायेगी । विकास केंद्रों का राज्य-वार संख्या संबंधी विवरण संलग्न है ।

विवरण

राज्यों को आवंटित किये गये विकास केंद्र

(क)

	राज्य	विकास केंद्रों की संख्या
1.	आंध्र प्रदेश	4
2.	असम	3
3.	बिहार	6

4.	गुजरात	3
5.	हरियाणा	2
6.	जम्मू एवं कश्मीर	2
7.	कर्नाटक	3
8.	केरल	2
9.	मध्य प्रदेश	6
10.	महाराष्ट्र	5
11.	उड़ीसा	4
12.	पंजाब	2
13.	राजस्थान	5
14.	तमिलनाडु	3
15.	उत्तर प्रदेश	8
16.	पश्चिम बंगाल	3
		61

(ख)

	राज्य/संघ शासित क्षेत्र	विकास केंद्रों की संख्या
1.	अरूणाचल प्रदेश	1
2.	गोवा	1
3.	हिमाचल प्रदेश	1
4.	मणीपुर	1
5.	मेघालय	1
6.	मिजोरम	1
7.	नागालैंड	1
8.	पांडिचेरी	1
9.	त्रिपुरा	1
		9

विकास केन्द्रों की कुल संख्या (क) + (ख) = 70 ।

सरकारी क्षेत्र के रूग्ण उपक्रमों में सुधार

610. **श्री अजीत जोगी :** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकारी क्षेत्र के उपक्रम जो घाटे में चल रहे थे, पिछले दो वर्षों से रूग्णता की स्थिति से उबर रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1990-91, 1991-92 और 1992-93 के लिये लाभ और हानि के तुलनात्मक आंकड़े सहित इन वर्षों के दौरान रूग्णता की स्थिति से उबरे उपक्रमों का ब्यौरा क्या है : और

(ग) इस अवधि के दौरान उन्हें रूग्णता की स्थिति से उबरने में सहायता करने और प्रभावित कामगारों का पुनर्वास करने संबंधी नीति बनाने के सम्बन्ध में क्या कदम उठाये गये हैं?

उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) में राज्य मंत्री और उद्योग मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) और (ख) 30-4-1993 तक की स्थिति के अनुसार औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्गठन मण्डल में पंजीकृत रूग्ण सरकारी उद्यमों की संख्या 44 थी । इन उद्यमों के लाभ/ हानि के सम्बन्ध में वर्ष 1991-92 तक की ही जानकारी उपलब्ध है तथा संलग्न विवरण में वर्ष 1989-90, 1990-91 तथा 1991-92 के लाभ/हानि के आंकड़ों का ब्यौरा दिया गया है । (नीचे देखिए)

(ग) केन्द्रीय सरकारी उद्यमों के कार्य-निष्पादन में सुधार करना एक सतत-प्रक्रिया है । कार्य-निष्पादन में सुधार हेतु सम्बद्ध प्रशासनिक मंत्रालय/विभाग तथा उद्यम द्वारा उद्यम विशेष की आवश्यकता के अनुसार कार्रवाई की जाती है । इस उद्देश्य से किए जाने वाले कुछ उपाय है— आधुनिकीकरण तथा पुनर्स्थापन योजनाएं, वित्तीय, प्रबन्धकीय तथा संगठनात्मक पुनर्गठन, उत्पाद-मिश्र में परिवर्तन, ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी उन्नयन, सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर आदि । श्रम मंत्री की अध्यक्षता में एक विशेष त्रिपक्षीय समिति गठित की गई है जो रूग्णता सम्बन्धी सभी मामलों पर विचार करेगी ताकि इन सरकारी उपक्रमों तथा इनके कामगारों के भविष्य के सम्बन्ध में प्रभावित होने वाले विविध पक्षों में बीच मतैक्य कायम किया जा सके । साथ ही, कम्पनियों के पुनर्गठन से प्रभावित होने वाले कामगारों के प्रशिक्षण, पुनर्प्रशिक्षण तथा पुनर्नियोजन के उद्देश्य से सुरक्षा तंत्र के रूप में राष्ट्रीय नवीकरण कोष का गठन किया गया है ।

विवरण

30-4-93 तक औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्गठन मण्डल में पंजीकृत केन्द्रीय सरकारी उद्यमों की सूची

क्रम सं०	उद्यम का नाम	वर्ष के दौरान उठाया गया घाटा 1991-92	1990-91	1989-90
1.	भारत पम्प्स एंड कंप्रेशर्स लि०	868	259	919
2.	नागालैण्ड पल्प एंड पेपर कंपनी लि०	2374	2024	2333
3.	आई० डी० पी० एल०	11238	8826	4274
4.	स्कूटर्स इंडिया लि०	5314	4825	4289
5.	भारत गोल्ड माइन्स लि०	1829	3529	3637
6.	टेनरी एंड फुटवियर कंपनी लि०	1986	1080	1610
7.	त्रिवेणी स्ट्रक्चरल्स लि०	1312	361	442
8.	भारतीय साईकिल निगम लि०	2737	3016	3071
9.	रिचर्डसन एंड क्रूडास	1566	864	777